नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक कार्यालय में भारतीय डाक विभाग द्वारा संचालित

प्रस्तुतिकरण आयोजित किया

जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर/नेपानगर। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक कार्यालय में मंगलवार को भारतीय डाक विभाग द्वारा संचालित ग्रुप एक्सीडेंटल इंश्योरेंस पर प्रस्तुतिकरण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय डाक विभाग, खंडवा के वरिष्ठ प्रबंधक संजय सिंह यादव ने विस्तृत जानकारी देते हुएं बताया कि डाक

जीवन बीमा (पीएलआई) 1 फरवरी 1884 को शुरू किया गया था। यह डाक कर्मचारियों के लाभ के लिए एक कल्याणकारी योजना के रूप में शुरू हुआ और बाद में 1888 में टेलीग्राफ विभाग के कर्मचारियों तक बढ़ा दिया गया। 1894 में, पीएलआई ने तत्कालीन पी एंड टी विभाग की महिला कर्मचारियों को उस समय बीमा कवर दिया जब कोई अन्य बीमा कंपनी महिलाओं के जीवन को कवर नहीं करती थी।यह इस देश की सबसे पुरानी जीवन बीमाकर्ता है। पिछले कुछ वर्षों में, पीएलआई 1884 में कुछ सौ पॉलिसियों से बढ़कर वर्तमान में यह संख्या करोड़ों में पहुंच गई है।उन्होंने आगे बताया कि पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (पीएलआई) स्कीम हाई रिटर्न के साथ लाइफ इंश्योरेंस कवर प्रदान करती है।इस स्कीम के तहत अधिकतम 50 लाख रुपए की बीमा राशि प्रदान की जाती है। यह स्कीम भारत सरकार द्वारा केंद्र और राज्य के पब्लिक सेक्टर के कर्मचारियों,सरकारी सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों आदि के कर्मचारियों के लिए पेश की गई है। इस पालिसी में 549 रुपये सालाना प्रीमियम पर 10 लाख रुपये का और 749 रुपए में 15 लाख रुपए का बीमा कवर दिया जाएगा। 18 से 65 वर्ष तक के आयु के लोग इसका लाभ ले सकते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से होने वाली शारीरिक और आर्थिक बाधाओं के खिलाफ 60 हजार रुपये तक का दुर्घटनावश चिकित्सा व्यय आइपीडी व 30 हजार रुपये तक का दुर्घटनावश चिकित्सा व्यय ओपीडी का लाभ ले सकते हैं। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान हर रोज एक हजार रुपये प्रतिदिन व अधिकतम 10 हजार रुपये मरीज को मिलेगा।इस अवसर पर नेपा लिमिटेड की ओर से प्रबंधक सतर्कता प्रकोष्ठ संजीव कानड़े, सहायक प्रबंधक विजय भामरे, सहायक अधिकारी विपणन देवेंद्र कुमार पांडेय, सहायक विधि अधिकारी दीपक ठाकुर,मुनीश्वर दिमन, आभा महतो, प्रभुलाल जायसवाल,युवराज मोदी, सुरेश रघुवंशी, पवन पवार,मोहम्मद इलियास सिद्दीकी, संदीप माले,काजोल बुग्गीवाला, मीत भट्ट, ईशान व्यास,मीना श्रीवास्तव, प्रतीक गणेचर,कोमल राठौड़, गिरीश चौहान, कनक गुरव,उपस्थित थे। भारतीय डाक विभाग की ओर से मनीषा चौधरी, ज्योति निमजे और हर्ष बाथम उपस्थित थे।

नेपा मिल में भारतीय डाक विभाग का कार्यक्रम

भारतीय डाक ने 1884 में शुरू की थी बीमा पॉलिसी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नेपानगर. केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक कार्यालय में मंगलवार को भारतीय डाक विभाग द्वारा संचालित ग्रुप एक्सीडेंटल इंश्योरेंस पर प्रस्तुतिकरण आयोजित किया गया। इसमें भारतीय डाक विभाग खंडवा के वरिष्ठ प्रबंधक संजय सिंह यादव ने बताया कि डाक जीवन बीमा पॉलिसी 1 फरवरी 1884 को शुरू की थी।।

यह डाक कर्मचारियों के लाभ के लिए एक कल्याणकारी योजना के रूप में शुरू हुआ और बाद में 1888 में टेलीग्राफ विभाग के कर्मचारियों तक बढ़ा दिया गया। 1894 में पीएलआइ ने तत्कालीन पीएंडटी विभाग की महिला कर्मचारियों को उस समय बीमा कवर दिया जब कोई अन्य बीमा कंपनी महिलाओं के जीवन को कवर नहीं करती थी।

यह इस देश की सबसे पुरानी जीवन बीमाकर्ता है। पिछले कुछ वर्षों में पीएलआइ 1884 में कुछ सौ पॉलिसियों से बढ़कर वर्तमान में यह संख्या करोड़ों में पहुंच गई है।

ये बताई स्कीम

उन्होंने आगे बताया कि पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (पीएलआइ) स्कीम हाई रिटर्न के साथ लाइफ इंश्योरेंस कवर प्रदान करती है। इस स्कीम के तहत अधिकतम 50 लाख रुपए की बीमा राशि प्रदान की जाती है। यह स्कीम भारत सरकार द्वारा केंद्र और राज्य के पब्लिक सेक्टर के कर्मचारियों, सरकारी सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों आदि के कर्मचारियों के लिए पेश की गई है। इस पालिसी में 549 रुपए सालाना प्रीमियम पर 10 लाख रुपए का और 749 रुपए में 15 लाख रुपए का बीमा कवर दिया जाएगा।

18 से 65 वर्ष तक के आयु के लोग इसका लाभ ले सकते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से होने वाली शारीरिक और आर्थिक बाधाओं के खिलाफ 60 हजार रुपये तक का दुर्घटनावश चिकित्सा व्यय आइपीडी व 30 हजार रुपये तक का दुर्घटनावश चिकित्सा व्यय ओपीडी का लाभ ले सकते हैं।

भारतीय डाक विभाग द्वारा संचालित ग्रुप एक्सीडेंटल इंश्योरेंस प्रस्तुतिकरण का कार्यक्रम नेपा लिमिटेड में हुआ आयोजित

राजेन्द्र मसाने

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक कार्यालय में मंगलवार को भारतीय डाक विभाग द्वारा संचालित ग्रुप एक्सीडेंटल इंश्योरेंस पर प्रस्तुतिकरण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय डाक विभाग, खंडवा के वरिष्ठ प्रबंधक संजय सिंह यादव ने विस्तृत जानकारी देते हुएं बताया कि डाक जीवन बीमा (पीएलआई) 1 फरवरी 1884 को शुरू किया गया था। यह डाक कर्मचारियों के लाभ के लिए एक कल्याणकारी योजना के रूप में शुरू हुआ और बाद में 1888 में टेलीग्राफ विभाग के कर्मचारियों तक बढ़ा दिया गया। 1894 में, पीएलआई ने तत्कालीन पी एंड टी विभाग की महिला कर्मचारियों को उस समय बीमा कवर दिया जब कोई अन्य बीमा कंपनी महिलाओं के जीवन को कवर नहीं करती थी। यह इस देश की सबसे पुरानी जीवन बीमाकर्ता है। पिछले कुछ वर्षों में, पीएलआई 1884 में कुछ सौ पॉलिसियों से बढ़कर वर्तमान में यह संख्या करोड़ों में पहुंच गई है। उन्होंने आगे बताया कि पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (पीएलआई) स्कीम हाई रिटर्न के साथ लाइफ इंश्योरेंस कवर प्रदान करती है। इस स्कीम के तहत अधिकतम 50 लाख रुपए की बीमा राशि प्रदान की जाती है। यह स्कीम भारत सरकार द्वारा केंद्र और राज्य के पब्लिक सेक्टर के कर्मचारियों, सरकारी सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों आदि के कर्मचारियों के लिए पेश की गई है। इस पालिसी में 549 रुपये सालाना प्रीमियम पर 10 लाख रुपये का और 749 रुपए में 15 लाख रुपए का बीमा कवर दिया जाएगा। 18 से 65 वर्ष तक के आयु के लोग इसका लाभ ले सकते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से होने वाली शारीरिक और आर्थिक बाधाओं के खिलाफ 60 हजार रुपये तक का दुर्घटनावश चिकित्सा व्यय आइपीडी व 30 हजार रुपये तक का दुर्घटनावश चिकित्सा व्यय ओपीडी का लाभ ले सकते हैं। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान हर रोज एक हजार रुपये प्रतिदिन व अधिकतम 10 हजार रुपये मरीज को मिलेगा। इस अवसर पर नेपा लिमिटेड की ओर से प्रबंधक सतर्कता प्रकोष्ठ संजीव कानड़े, सहायक प्रबंधक विजय भामरे, सहायक अधिकारी विपणन देवेंद्र कुमार पांडेय, सहायक विधि अधिकारी दीपक ठाकुर, मुनीश्वर दिमन, आभा महतो, प्रभुलाल जायसवाल, युवराज मोदी, सुरेश रघुवंशी, पवन पवार, मोहम्मद इलियास सिद्दीकी, संदीप माले, काजोल बुग्गीवाला, मीत भट्ट, ईशान व्यास, मीना श्रीवास्तव, प्रतीक गणेचर, कोमल राठौड़, गिरीश चौहान, कनक गुरव, उपस्थित थे। भारतीय डाक विभाग की ओर से मनीषा चौधरी, ज्योति निमजे और हर्ष बाथम उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने किया। आभार प्रबंधक कार्मिक एवं प्रशासन महेंद्र केशरी ने माना।

प्रस्तुतिकरण • ग्रुप एक्सीडेंटल इंश्योरेंस पर हुआ प्रजेंटेशन, डाक जीवन बीमा पीएलआई 1 फरवरी 1884 को शुरू किया

नेपा मिल में भारतीय डाक विभाग ने आयोजित किया कार्यक्रम

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

नेपा मिल में प्रेजेंटेशन दिया गया।

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक कार्यालय में मंगलवार को भारतीय डाक विभाग द्वारा संचालित ग्रुप एक्सीडेंटल इंश्योरेंस पर प्रस्तुतिकरण आयोजित किया गया। इसमें भारतीय डाक विभाग खंडवा के वरिष्ठ प्रबंधक संजय सिंह यादव ने बताया डाक जीवन बीमा पीएलआई 1 फरवरी 1884 को शुरू किया गया था। यह डाक कर्मचारियों के लाभ के लिए एक कल्याणकारी योजना के रूप में शुरू हुआ और बाद में 1888 में टेलीग्राफ विभाग के कर्मचारियों तक बढ़ा दिया गया।

1894 में पीएलआई ने तत्कालीन पीएंडटी विभाग की महिला कर्मचारियों को उस समय बीमा कवर दिया जब कोई अन्य बीमा कंपनी महिलाओं के जीवन को कवर नहीं करती थी। यह इस देश की सबसे पुरानी जीवन बीमाकर्ता है। पिछले कुछ वर्षों में पीएलआई 1884 में कुछ 100 पॉलिसियों से बढ़कर वर्तमान में यह संख्या करोड़ों में पहुंच गई है। उन्होंने आगे बताया कि पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस पीएलआई स्कीम हाई रिटर्न के साथ लाइफ इंश्योरेंस कवर प्रदान करती है। इस स्कीम के तहत अधिकतम 50 लाख रुपए की बीमा राशि प्रदान की जाती है। यह स्कीम भारत सरकार द्वारा केंद्र और राज्य के पब्लिक सेक्टर के कर्मचारियों, सरकारी सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों के लिए पेश की गई है। इस पालिसी में 549 रुपए सालाना प्रीमियम पर 10 लाख रुपए का और 749 रुपए में 15 लाख रुपए का बीमा कवर दिया जाएगा। 18 से 65 वर्ष तक के आयु के लोग इसका लाभ ले सकते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से होने वाली शारीरिक और आर्थिक बाधाओं के खिलाफ 60 हजार रुपए तक का दुर्घटनावश चिकित्सा व्यय आइपीडी व 30 हजार रुपए तक का दुर्घटनावश चिकित्सा व्यय ओपीडी का लाभ ले सकते हैं। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान हर रोज एक हजार रुपए प्रतिदिन व अधिकतम 10 हजार रुपए मरीज को मिलेगा। इस दौरान नेपा लिमिटेड से प्रबंधक सतर्कता प्रकोष्ठ संजीव कानड़े, सहायक प्रबंधक विजय भामरे, सहायक अधिकारी विपणन देवेंद्र कुमार पांडेय, सहायक विधि अधिकारी दीपक ठाकुर, मुनीश्वर दिमन, आभा महतो, प्रभुलाल जायसवाल, युवराज मोदी, सुरेश रघुवंशी, पवन पवार, मोहम्मद इलियास सिद्दीकी, संदीप माले, काजोल बुग्गीवाला, मीत भट्ट, ईशान व्यास, मीना श्रीवास्तव, प्रतीक गणेचर, कोमल राठौड़, गिरीश चौहान, कनक गुरव उपस्थित थे। भारतीय डाक विभाग की ओर से मनीषा चौधरी, ज्योति निमजे और हर्ष बाथम, संदीप ठाकरे, प्रबंधक कार्मिक व प्रशासन महेंद्र केशरी मौजूद थे।